Roll No. ..... Total Pages : 3

MDE/D-21 **9624**

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Paper–II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिन्दी साहित्य इतिहास का काल विभाजन और नामकरण पर प्रकाश डालिए।

(ख) आदिकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

जैन साहित्य परम्परा और प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(ग) हिन्दी सूफी काव्य परम्परा पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

संत काव्य परम्परा पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(घ) तुलसीदास की प्रमुख कृतियों और काव्य रूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है, प्रकाश डालिए। (4×12=48)

खण्ड-ख

2. किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी कीजिए। प्रत्येक टिप्पणी लगभग 250 शब्दों में हो :

(क) भक्तिकाल का नामकरण।

(ख) सिद्ध साहित्य।

(ग) अष्टछाप के कवि।

(घ) नाथ साहित्य की परम्परा।

(ङ) विद्यापति की पदावली।

(च) तुलसी का जीवन परिचय।

(छ) संत काव्य में भारतीय संस्कृति।

(ज) रामकृष्ण काव्येतर काव्य।

(झ) वारकरी सम्प्रदाय।

(ञ) निम्बार्क सम्प्रदाय। (5×4=20)

खण्ड-ग

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) मिश्र बंधुओं के ग्रन्थ का नाम।

(ख) गार्सा द तासी ने अपना ग्रन्थ किस भाषा में लिखा?

(ग) आचार्य शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब से माना है?

(घ) भक्तिकाल को भक्तिकाल नामकरण किसने दिया?

(ङ) आदिकालीन साहित्य का प्रमुख रस कौन-सा है?

(च) गोरखनाथ के गुरु का क्या नाम था?

(छ) आलवारों की संख्या कितनी थी?

(ज) हिन्दी सूफी काव्य किस भाषा में रचा गया है?

(झ) सूफी साधकों में महिला का क्या नाम है?

(ञ) रामचरितमानस में कितने काण्ड हैं?

(ट) अखरावट काव्य कृति किसकी है?

(ठ) सूरदास को पुष्टिमार्ग का जहाज किसने कहा? (12×1=12)